

श्रीः
श्रीमते रामानुजाय नमः
श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

श्रीभगवन्महर्षिरमणान्तेरासिनो रासिर्षस्य नरसिंहसूनोर्गणपतेः
कृतिषु

॥ श्री नृसिंहपञ्चरत्नम् ॥

This document has been prepared by

Sunder Kidāmbi

with the blessings of

श्री रङ्गरामानुज महादेशिकन्

His Holiness śrīmad āṇḍavan śrīraṅgam

শ্রীঃ

শ্রীমতে রামানুজায় নমঃ

শ্রীমতে নিগমান্তমহাদেশিকায নমঃ

॥ শ্রী নৃসিংহপঞ্চরত্নম্ ॥

ঘটিকাচলমালযমাদধতা

শরণাগতরক্ষণমাচরতা।

করণাকলিতেন জগৎপতিনা

ন বিনা মম যাতি মুদং হৃদযম্ ॥ 1 ॥

রসতিং কুরুষে ঘটিকাদ্রিরং

হৃদযং চ মদীয়মদস্সদয।

নরসিংহ রিহায রিভো কপটং

রদ কুত্র মনো ভরতো রমতে ॥ 2 ॥

ঘটিকাচলরাসিনমীশমজং

সততং স্মরতাং ক্ল সতামশুভম্।

যদি কোহপি ভরেদশুভস্য লরো

রুচিরাশিরুদেষ্যতি পাশি দিশি ॥ 3 ॥

বহরোহরতরা ব্লিলসন্তু মধুং

দ্বিষতো নিজরিগ্রহতোহপ্যধিকম্।

ঘটিকাগিরিরাভরসতৌ নৃহরৌ

করণারতি মে রমতে হৃদযম্ ॥ 4 ॥

চরণাগতাল্পরমসাত্ত্বিকান্ ঋষীন্

করণারলোকনিকরণে লালযন্।

घटिकाद्रिसीमनि नृसिंहरिग्रहो
जगतां पतिर्सति रासरार्चितः ॥ 5 ॥

॥ श्री नृसिंहपञ्चरत्नं समाप्तम् ॥